भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

05 अक्तूबर, 2014

कॉमरेड मरकाम की दोबारा गिरफ्तारी की निंदा

अपने ऊपर लगाये गये तमाम आरोपों से विभिन्न न्यायालयों के द्वारा बाइज्जत बरी कर दिये जाने के बावजूद राज्य शासन के इशारे पर पुलिस–प्रशासन के द्वारा जेल से रिहा होते ही पुराने फर्जी वारण्टों का हवाला देकर हमारे स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य कामरेड गोपन्ना मरकाम को तुरंत दोबारा गिरफ्तार करने की अवैध, गैर–कानूनी व असंवैधानिक कार्रवाई की डीकेएसजेडसी कड़ी भर्त्सना करती है एवं क्रांतिकारियों को जेल की सलाखों के पीछे सड़ाने की सरकारी साजिश के खिलाफ आवाज बुलंद करने प्रगतिशील–जनवादी वकीलों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं व संगठनों, मीडियाकर्मियों एवं बुद्धिजीवियों का आह्वान करती है।

पिछले सात सालों से विभिन्न जेलों में रहते हुए कामरेड मरकाम ने फर्जी केसों का सामना किया था। कामरेड मरकाम के ऊपर लगाए गए मामलें इतने झूठे और बेतूके थे कि शोषक–शासक वर्गों के न्यायालयों को भी उन्हें सभी मामलों में दोषमुक्त करार देना पड़ा। सात मामलों में उनके खिलाफ वारण्ट होने का बहाना करके उन्हें जेल गेट से दोबारा गिरफ्तार किया गया है। दरअसल उनके खिलाफ तमाम मामलों को एक साथ चलाया जाना चाहिए था। सात सालों से अधिक समय तक बिना जमातन के, अवैध रूप से उन्हें जेल में बंद रखकर अब छूटने के बाद पुराने वारण्टों के नाम पर मामलें बनाकर फिर से जेल में बंद किया गया है जो कि शोषक–शासक वर्गों के द्वारा अपने ही कानूनों व संविधान की धज्जियां उड़ाने का बेजोड़ उदाहरण है। उसके पूर्व भी हमारी वरिष्ठ महिला कार्यकर्ता कामरेड पद्मा को भी न्यायालय से दोषमुक्त करार दिए जाने व जेल से छूटने के बावजूद फर्जी मामलें बनाकर दो बार जेल गेट से गिरफ्तार किया गया है। क्रान्तिकारियों को फर्जी मामलों में फंसाकर, झूठी गवाही के आधार पर या बिना गवाही के ही लम्बी–लम्बी सजाएं देना, जब ऐसा संभव नहीं होता है तब जेल से छूटते ही और मामलों में फंसाकर जेलों में सड़ाना आम बात बनती जा रही है जो कि गैर–जनवादी व फासीवादी तरीका है।

जेलों में व्याप्त अमानवीय परिस्थितियों के खिलाफ एवं क्रान्तिकारियों को जेलों में सड़ाने की साजिशों के खिलाफ खासकर कामरेड गोपन्ना मरकाम की तुरंत व निशर्त रिहाई की मांग करने डीकेएसजेडसी जनवादप्रेमियों, प्रगतिशील ताकतों, मानवाधिकार संगठनों, वकीलों से अपील करती है। जेलों में बंद साथियों का आह्वान करती है कि वे उपरोक्त मांगों को लेकर जेलों को संघर्ष के मैदान में बदल डालें।

गुड्सा उसेंडी

(गुड्सा उसेण्डी)
प्रवक्ता,
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)